राजनाथ के बयान पर कांग्रेस का पलटवार

बीजेपी पर अपना विजन दस्तावेज अंग्रेजी बोलने वालों से आउटसोर्स कराने का लगाया आरोप

■ एजेंसी।

यशवंत सिन्हा की अर्थव्यवस्था से निपटने के सरकार के तौर-तरीके की आलोचना को भी सूचना और प्रसारण मंत्री मनीष तिवारी ने किया खारिज

अंग्रेजी के प्रसार से भारतीय संस्कृति को नुकसान पहुंचने के बारे में भाजपा अध्यक्ष ने दिया बयान

नई दिल्ली। अंग्रेजी के प्रसार से भारतीय संस्कृति को नुकसान पहुंचने के बारे में भाजपा अध्यक्ष राजनाथ सिंह के बयान पर कांग्रेस ने शुक्रवार को कहा कि विपक्षी पार्टी ने खुद भी अपना विजन दस्तावेज उन लोगों से 'आउटसोर्स' किया है जो केवल अंग्रेजी ही बोलते हैं। सूचना और प्रसारण मंत्री मनीष तिवारी ने यहां कहा, ''मुझे कई बार अपने मित्रों पर हंसी आती है। एक तरफ उनके विजन दस्तावेज का काम उन लोगों को सौंपा जाता है जो अंग्रेजी के अलावा अन्य कोई भाषा नहीं बोलते।'' तिवारी ने कहा, ''भाषा को लेकर विवाद पैदा करने की यह कोशिश या यह कहना कि एक भाषा दूसरी से अच्छी या बुरी है, इससेदेश मजबूत नहीं होता और एक जिम्मेदार राजनीतिक दल से यह अपेक्षा नहीं की जाती।'' सूचना और प्रसारण मंत्री ने भाजपा नेता यशवंत सिन्हा की अर्थव्यवस्था से निपटने के सरकार के तौर-तरीके की आलोचना को भी खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, ''कई बार मुझे आश्चर्य होता है कि जिस तरह के वैश्विक आर्थिक माहौल में हम हैं, उसमें क्या कोई जिम्मेदार राजनीतिक दल वाकई अर्थव्यवस्था में 5 से 6 प्रतिशत विकास की आलोचना कर सकता है जबकि अधिकतर बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में या तो नकारात्मक विकास हो रहा है या बमुश्किल सकारात्मक विकास हो रहा है।'' तिवारी के मुताबिकप्रधानमंत्री इशारा कर चुके हैं कि चीजें पिछले कुछ सालों जैसी अच्छी नहीं हैं लेकिन सरकार देश को अत्यंत उच्च विकास के रास्ते पर लौटाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पूरी तरह तुलनात्मक अध्ययन करें तो 1998 से 2004 की अवधि में, जब वैश्विक अर्थव्यवस्था अच्छी स्थिति में थी, तब भारत में राजग सरकार में 5.8 प्रतिशत का विकास हुआ था। तिवारी ने कहा कि 2007 से 2012 तक जब विश्व की अर्थव्यवस्था संभवतः 30 के दशक के बाद सर्वाधिक मंदी के दौर से गुजर रही थी तब देश में 8.2 प्रतिशत की दर से विकास हुआ और कुछ सालों में 9 प्रतिशत विकास दर रही। उन्होंने सिन्हा पर निशाना साधते हुए कहा कि कोई जिम्मेदार व्यक्ति जो भारत का वित्त मंत्री रहा हो, वह इन तथ्यों के प्रति पूरी तरह बेखबर नहीं रह सकता या आंखें नहीं मूंद सकता। आगामी चुनावों को लेकर भाजपा द्वारा संभावित नई टीम के गठन के बारे में पूछे जाने पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने पिछले नौ साल में ऐसी अनेक टीमों को पछाड़ा है। मध्याह्न भोजन योजना के बारे में एक सवाल के जवाब में तिवारी ने कहा कि इस योजना के लिए धन केंद्र सरकार देती है और उसे लागू राज्य सरकार करती है।■

अदम्य भावनाओं के प्रतीक हैं मंडेला : सोनिया

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने रंगभेद विरोधी आंदोलन के नेता नेल्सन मंडेला के 95वें जन्मदिन के मौके पर शुक्रवार को कहा कि वह मानवाधिकारों के मूल्यों में भरोसा रखने वाले लोगों के लिए हमेशा प्रेरणास्रोत रहेंगे। मंडेला का जन्मदिन बृहस्पतिवार को था। सोनिया ने इसे पूरी तरह विशेष मौका बताते हुए मंडेला की प्रशंसा की और उन्हें 'साहसिक योद्धा' और 'अदम्य भावनाओं का प्रतीक' बताया। उन्होंने कहा, ''आज जब दुनिया का सामना नैतिक शक्ति वाले नेतृत्व के संकट से हो रहा है, ऐसे में आप अदम्य भावनाओं का प्रतीक बने हुए हैं। हम प्रार्थना करते हैं और उम्मीद करते हैं कि दुनिया आपकी बुद्धिमत्ता से लाभ प्राप्त करती रहे।'' ■

हजार शब्दों से भी ज्यादा प्रभावी होती है एक तस्वीर

■ वैभव न्यूज।

नई दिल्ली। आज के व्यस्त जीवन में एक प्रभावी तस्वीर के माध्यम से हम तेज और आसान तरीके से संवाद कर सकते हैं। एक प्रभावी तस्वीर केवल किसी का ध्यान ही आकर्षित नहीं करती बल्कि एक गहरा प्रभाव छोड़ सकती है। यह बातें हाल ही में पीएसआरआई, दिल्ली चैप्टर द्वारा आयोजित एक कार्यशाला के दौरान प्रख्यात फोटोग्राफर और फोटो पत्रकार, नितिन राय ने कही। 'क्या एक तस्वीर हजार शब्दों से ज्यादा प्रभावी होती है' विषय पर कार्यशाला मीडिया उद्योग में फोटोग्राफी की उभरती प्रवृत्तियों की जानकारी दी। राय ने भी पी.आर बिरादरी में फोटो के महत्व पर प्रकाश डाला और फोटोग्राफी में दृष्टिकोण के महत्व पर बल दिया। फोटोग्राफर ने कॉर्पोरेट प्रकाशनों में फोटो का उपयोग करने के लिए 'क्या करें और क्या न करें ' भी समझाया गया। पीएसआरआई, दिल्ली चैप्टर के पूर्व अध्यक्ष एस. राजगोपाल और सचिव के.एम. प्रशांत ने राय का स्वागत किया और पीएसआरआई की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। पीएसआरआई दिल्ली चैप्टर के सभी महत्वपूर्ण सदस्यों ने और पीआर, विज्ञापन और मीडिया परिवार से अन्य विशिष्ट अतिथियों ने कार्यक्रम में भाग लिया। पीएसआरआई के लगभग 3000 सदस्यों के साथ दिल्ली सहित भारत भर में फैले 30 चैप्टर हैं। ■

तेलंगाना पर विचार करेगा कांग्रेस कोर ग्रुप

सर्वदलीय बैठक संभव

नई दिल्ली। कांग्रेस पृथक तेलंगाना राज्य की मांग पर अपने विचारों को अंतिम रूप देने के करीब है और इस मुद्दे पर विचार विमर्श के लिए जल्द ही सर्वदलीय बैठक बुलाई जा सकती है। तेलंगाना मामले पर शुक्रवार को कांग्रेस कोर ग्रुप की बैठक में विचार किया जाएगा। ऐसे संकेत मिले हैं कि कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक की जो पहले योजना बनाई गई थी , उसमें अभी कुछ और समय लग सकता है क्योंकि पार्टी में यह विचार बना है कि तेलंगाना पर फैसला एक ''सामूहिक जिम्मेदारी'' है और यह किसी एक पार्टी से संबंधित नहीं है। पार्टी सूत्रों ने बताया कि इस संबंध में एक सर्वदलीय बैठक बुलाई जा सकती है। दूसरी राज्य पुनर्गठन समिति गठित किए जाने की संभावनाओं को लेकर भी चर्चाएं हैं। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार शाम होने वाली कोर ग्रुप की बैठक में अन्य मुद्दों के साथ ही तेलंगाना पर भी चर्चा की जाएगी। तेलंगाना पर सघन बातचीत के बीच, गृह मंत्री सुशील कुमार शिंदे ने बृहस्पतिवार को कहा था कि पृथक राज्य की मांग पर ''कोई न कोई फैसला'' जल्द ही लिया जाएगा। शिंदे पांच अगस्त को संसद का मानसून सत्र शुरू होने से पूर्व तेलंगाना की मांग पर सरकार द्वारा कोई घोषणा किए जाने की संभावना पर किए गए सवाल का जवाब दे रहे थे। कांग्रेस समिति के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने नाम गुप्त रखने की शर्त पर पूर्व में कहा था कि विवादास्पद मुद्दे पर फैसला सत्र से पूर्व ही हो सकता है। आंध्र प्रदेश में पार्टी मामलों के प्रभारी और कांग्रेस महासचिव दिग्विजय सिंह इस संबंध में पहले ही पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी को अपना प्रस्ताव सौंप चुके हैं। पार्टी पृथक तेलंगाना राज्य के गठन की मांग पर विभिन्न विकल्पों को तौलने में लगी है। कांग्रेस कोर ग्रुप की 12 जुलाई को हुई पिछली बैठक में इस मुद्दे पर फैसले को टाल दिया गया था क्योंकि सिंह ने ऐलान किया था कि मामले में अंतिम फैसला पार्टी की कार्य समिति द्वारा लिया जाएगा। बाद में ऐसे भी संकेत मिले थे कि पार्टी किसी अंतिम नतीजे पर पहुंचने से पूर्व दो, तीन या अधिक बैठकें करेगी। पार्टी के शीर्ष नेताओं का कहना है कि कांग्रेस कार्य समिति की बैठक के लिए अभी कोई तारीख तय नहीं की गई है। इस मुद्दे ने आंध्र प्रदेश में सभी राजनीतिक दलों को क्षेत्रीय आधार पर बांट दिया है।■

गांवों में डॉक्टरों की भारी कमी : रिपोर्ट

पांच कि.मी. चलकर स्वास्थ्य केंद्र पहुंचती है 60 प्रतिशत ग्रामीण आबादी, चिकित्सकों की भारी कमी

■ एजेंसी।

नई दिल्ली। भारत की करीब 60 प्रतिशत ग्रामीण आबादी को स्वास्थ्य केंद्रों तक पहुंचने के लिए पांच किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है, साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सकों की भारी कमी के कारण लम्बे समय तक इंतजार करना मरीजों की परेशानी का बड़ा कारण है जिससे कई बार इनकी मौत तक हो जाती है। आईएमएस इंस्टीट्यूट फार हेल्थकेयर एंड इंफार्मेटिक्स की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, शहरों में निवास करने वाली देश की 28 प्रतिशत आबादी को अस्पतालों के 66 प्रतिशत बिस्तरों तक पहुंच हासिल है जबकि शेष करीब 70 प्रतिशत आबादी (जो गांव में रहती है) को अस्पतालों के महज एक तिहाई बिस्तरों तक ही पहुंच उपलब्ध है। रिपोर्ट के अनुसार, देश की करीब 60 प्रतिशत ग्रामीण आबादी को स्वास्थ्य केंद्रों तक पहुंचने के लिए औसतन पांच किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है और गांव के दिहाड़ी मजदूरों के लिए यह बड़ी समस्या है क्योंकि उनका पूरा दिन मरीज को स्वास्थ्य केंद्रों तक ले जाने और लाने में ही निकल जाता है। और गंभीर बीमारी की स्थिति में यह जानलेवा भी साबित होता है। रिपोर्ट में सार्वजनिक-निजी साझीदारी से स्वास्थ्य सेवाओं एवं स्वास्थ्य आधारभूत संरचना के विकास (विशेष तौर पर ग्रामीण क्षेत्रों में) करने की सिफारिश की गई है। इसके साथ ही सुदूर क्षेत्रों में मानव संसाधनों एवं दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए ठोस पहल करने पर जोर दिया गया है जिसमें समुदायों को जोड़ना शामिल है। आईएमएस इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट में ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी स्वास्थ्य आधारभूत ढांचे की कमी और चिकित्सकों की अनुपलब्धता के विषय को उठाया गया है जिसके कारण मरीजों को प्राइवेट अस्पतालों एवं डाक्टरों का रूख करना पड़ता है और बड़ी धनराशि खर्च करनी पड़ती है। कई बार धन के अभाव में लोग नीक हकीमों के शिकार बन जाते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 2012 में 61 प्रतिशत ग्रामीण मरीजों और 69 प्रतिशत शहरी मरीजों ने प्राइवेट चिकित्सा प्रदाता संस्थाओं की सेवाएं लीं। इसके लिए पर्याप्त संख्या में डाक्टरों की उपलब्धता अहम कारण रहा। संस्थान के कार्यकारी निदेशक मूरे एटकीन ने कहा कि अस्पतालों एवं स्वास्थ्य केंद्रों के लिए ठोस दिशानिर्देश और क्लीनिकल प्रोटोकाल नहीं बनाए गए हैं और यह स्थिति अभी भी जारी है। ऐसे समय में जब भारत की 40 प्रतिशत आबादी गरीबी रेखा के नीचे गुजर बसर कर रही है तब स्वास्थ्य सेवाओं पर आने वाले खर्च का वहनीय एवं व्यवहार्य होना महत्वपूर्ण विषय है। उन्होंने कहा कि आईएमएस ने यह अध्ययन देश के 12 राज्यों में 14746 परिवारों एवं 1000 से अधिक डाक्टरों से विचारों एवं सवालों के उत्तर के आधार पर तैयार किया है और अनेक पहलुओं को ध्यान में रखा है।■

कला एवं नृत्य के जरिए विकलांगों को शिक्षा

■ एजेंसी।

नई दिल्ली। पोलियो से पीड़ित 20 वर्षीय गुलशन कुमार को अपने व्हील चेयर पर बैठ कर चक्कर लगाते देख किसी की भी आंखें चकरा सकती हैं। गुलशन एक मिनट में अपने व्हील चेयर पर 63 बार चक्कर लगा सकते हैं, जिसके लिए उनका नाम गिनीज बुक में भी दर्ज है। गुलशान और इन जैसे तमाम लोग समाज की उस मान्यता पर पुरजोर चोट कर रहे हैं, जो इन विकलांग लोगों को खुद से अलग मानती है। शारीरिक रूप से विकलांग इन लोगों के लिए समाज में खुद को शामिल मानना अक्सर काफी दर्द और मानसिक पीड़ा भरा काम हो जाता है। हालांकि कथक, योग, मार्शल आर्ट और भरतनाट्यम जैसी कलाओं में पारंगत सैयद सलाउद्दीन पाशा मानते हैं कि विशेष योग्यता वाले इन लोगों की शिक्षा और सशक्तिकरण के लिए इन कलाओं के मिश्रण का प्रभावी ढंग से उपयोग किया जा सकता है। गुलशन के उदाहरण से पाशा की यह बात सही भी साबित होती है। नौ महीने की उम्र में पोलियो की मार झेलने वाले गुलशन बताते हैं, ''मैं खुद को चुनौती देना चाहता था। मैं ऐसा नहीं मानता था कि विकलांग लोग केवल कागजों के थैले और मोमबत्तियां बना सकते हैं। हमारे पास व्हीलचेयर सवार लोगों की एक क्रिकेट टीम भी है। हमने कई प्रतियोगिताओं में शिरकत भी की है। मैं मोटर साइकल भी चला सकता हूं।'' संगीत, नृत्य, योग और रंगों के जरिए इन बच्चों को प्रशिक्षण देने वाले गैर सरकारी संगठन एबिलिटी अनलिमिटेड फाउंडेशन के कलात्मक निदेशक पाशा बीते 30 वर्षों में ऐसे कई बच्चों को प्रशिक्षित कर चुके हैं। इंगलैंड के हाउस ऑफ कॉमंस (संसद का निचला सदन) में व्हीलचेयर से बंधे कलाकारों के अपने समूह के साथ प्रदर्शन कर चुके पाशा इन कलाओं को चिकित्सा माध्यम के तौर पर इस्तेमाल करने पर जोर देते हैं।■

आओ करें 'ऑन द रूफ इन द रेन' मस्ती

रिची ठाकुर

नई दिल्ली। जैसे हमें अपने सबसे प्रियजन से मिलने का बेकरारी से इंतजार रहता है और उनके मिलने पर असीम खुशी का अहसास होता है ठीक उसी तरह वर्षा ऋतु भी हमारे जीवन में खुशी, उमंग और उल्लास पैदा कर देती है। छोटी-मोटी परेशानियों को नजरअंदाज कर दिया जाए तो बारिश का सुहाना और मजेदार मौसम, रिमझिम बारिश की फुहारें हमारे मन को भीतर तक तरंगित कर देती हैं, तो क्यों न इस बार इस मौसम में कुछ अलग हटकर करें।

पार्टी हो कुछ नए ढंग की

यूं तो पार्टी करने का कोई न कोई बहाना हमें मिल ही जाता है लेकिन बारिश का मौसम चूंकि सीमित समय का होता है इसलिए इसकी योजना पहले से बना लें। रोज संभव न हो तो जिस दिन बारिश की झड़ी लगी हो और दफ्तर या और कहीं जाना मुश्किल हो, उस दिन कुछ इस तरह मनोरंजन कर सकते हैं। अपने कुछ खास पारिवारिक दोस्तों से एक-एक डिश बनाने को कह अपने घर उन्हें इनवाइट कर लें। बारिश का मजा आप सबके साथ छत पर लें सकते है। दिन-भर तरह-तरह के खाने और चाय-कॉफी के साथ एंज्वॉय करें। हां, कोशिश करें कि बहुत ज्यादा लोग न हो जाए, नहीं तो मेजबान को व्यवस्था करने में परेशानी हो जाएगी। सब लोग मिलकर कोई हल्की-फुल्की कॉमेडी फिल्म या शो देख सकते हैं। कोशिश करें किसी भी तरह पार्टी का मूड खराब न हो जाए। शाम को सूप पार्टी कर सकते हैं। परंपरागत खाने की बजाय खाने में वैराइटी भी ला सकते हैं। जैसे चाइनीज या थाई फूड भी मंगवा सकते हैं और जब तक खाना आए आप डांस कर सकते हैं। ऐसा करने से आपको अपनो के साथ एक अच्छा समय बिताने को मिलेगा। डिनर के बाद अगर आईसक्रीम का स्वाद चख लिया जाए तो पार्टी का मजा दुगना हो जाएगा।

आउटिंग पर जाएं

पिकनिक पर जाने के लिए बारिश से ज्यादा सुहाना मौसम और कोई हो ही नहीं सकता है। हर शहर के आस-पास ढेरों सी जगह होती हैं जहां बारिश के मौसम का आनंद लिया जा सकता है। बस इसमे सबसे ज्यादा ध्यान सावधानी और सुरक्षा का रखना जरूरी

है। आप किसी खुले स्थान पर ज्यादा मस्ती कर सकते हैं बजाए एक बंद जगह के। खाने-पीने का सामान गाड़ी में भर निकल पड़ें घूमने के लिए निकल पड़े। किसी भी ऐसी जगह को पिकनिक का स्पॉट चुन लें जहां बैठने का स्थान अच्छा हो और किसी तरह का खतरा न हो। जिस जगह पर आपको इतना आनंद आएगा कि भूल जाएंगे परंपरागत पिकनिक स्पॉट्स को।खाने की सभी चीजें पहले से ही पकाकर ले जाएं, क्या पता बाहर आपको कुछ मिले या ना मिले। पिकनिक में तो खाना चाहे ठंडा भी हो तो भी अच्छा लगता है। बड़े-छोटे का भेद भूलकर उस समय खुद भी बच्चे बन जाएं और उनकी तरह पानी में खूब भीगें, मस्ती और मजे करें, पानी में कागज की नाव चलाएं। ऐसा करने से आपको अपने बचपन के दिन और उनकी यादें ताजा हो जाएगी।

खेल खेलें तरह-तरह के

मनोरंजन सिर्फ खाने-पीने से ही नहीं होता है। तरह-तरह के मनोरजंक खेलों से बारिश के मौसम को खुशगवार बनाया जा सकता है। खेल का आयोजन करें लेकिन खेल ऐसे चुने जिनमें ज्यादा माथा-पच्ची न करनी पड़े। आजकल तो तरह-तरह के वन मिनट गेम इंटरनेट पर उपलब्ध हैं, उनमें से कोई भी खेल चुन सकते हैं। हाउजी या तंबोला बहुत लोकप्रिय खेल है। इसे सभी मिलकर खेल सकते हैं। जीतने वाले को पैसों की बजाय किसी भी तरह का छोटा-मोटा उपहार दे सकते हैं। अपनी-अपनी पसंद का गीत सबको सुनाने को कहें, जरूरी नहीं कि सभी अच्छा गाते हों लेकिन हर किसी के गाने की तारीफ करें। मनपसंद फिल्म का कोई डायलॉग बोल कर भी बारिश का आनंद ले सकते हैं। अंताक्षरी भी खेल सकते हैं, एक और पुरूषों की टीम, एक ओर महिलाओं की टीम बना दें। साथ ही शर्त रख दें कि जो भी गाना गाएगा, उसे साथ में डांस भी करना होगा। हारने वाले को क्या सजा दी जाएगी, यह पहले ही तय कर लें।■

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग
ई-निविदा आमंत्रण सूचना

अधिशासी अभियंता (ई), दिल्ली केन्द्रीय विद्युत् विभाग-VII, सीपीडब्ल्यूडी, आर.के.पुरम्, नई दिल्ली भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नांकित कार्यों के लिये दो बोली सिस्टम पर ऑनलाइन वस्तु दर निविदाएं आमंत्रित करते हैं :

1. **एनआईटी नं. (दूसरा आमंत्रण) 25/2013-14/डीसीईडी-VII/दिल्ली/जीसीईएसडी,** कार्य का नाम : सोलर एनर्जी सेंटर, ग्वाल पहाड़ी, गुड़गांव में विभिन्न विद्युत् सेवाओं का आर.एम.ओ.। (उपशीर्ष : 11 केवीए सब-स्टेशन और डीजी सेट का संचालन तथा रूटीन अनुरक्षण।) अनुमानित लागत : रु. 7,64,184/- बयाना राशि : रु. 15,284/-, पूर्णता की अवधि : 12 माह। बोली प्रस्तुति की अंतिम तारीख और समय : **26-07-2013** को दोपहर **3.00 बजे**।
2. **एनआईटी नं. (दूसरा आमंत्रण) 26/2013-14/डीसीईडी-VII/दिल्ली/जीसीईएसडी,** कार्य का नाम : कैबिनेट सेक्रेटरिएट, गुड़गांव के लिये ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट में विभिन्न विद्युत् सेवाओं का आर.एम.ओ.। (उपशीर्ष : 11 केवीए सब-स्टेशन और डीजी सेट का संचालन तथा रूटीन अनुरक्षण।) अनुमानित लागत : रु. 7,64,184/- बयाना राशि : रु. 15,284/-, पूर्णता की अवधि : 12 माह। बोली प्रस्तुति की अंतिम तारीख और समय : **26-07-2013** को दोपहर **3.00** बजे।

बोली प्रपत्र और अन्य विवरण वेबसाइट **www. tenderwizard.com/cpwd** या **www.cpwd. gov.in** से प्राप्त किया जा सकता है।

उत्तर रेलवे
खुली निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल अभि॰-III/नई दिल्ली उत्तर रेलवे के लिए खुली निविदा दिनांक 23.8.2013 के 15.00 बजे तक आमंत्रित की जा रही है और तुरंत बाद डिवीजनल प्रबंधक, उत्तर रेलवे, कार्यालय स्टेट एंट्री रोड़, नई दिल्ली के निविदा कमरे में निम्नलिखित कार्यों के लिए खोली जाएगी। निविदा दस्तावेज डाक द्वारा मांग पर पांच सौ रूपए का अतिरिक्त भुगतान किया जाना है। **क्र.सं. 1. कार्य का नाम :** सहायक मंडल अभियंता/नई दिल्ली के अनुभाग में वरिष्ठ खण्ड अभियंता/कार्य/नई दिल्ली के कार्य क्षेत्र में पुराने एसी शेड में एसी चादरों की जगह metacolur sheet उपलब्ध करना पहुंच मार्ग पर सीमेंट कंक्रीटिंग करना, मिंटो ब्रिज और तिलक ब्रिज में आर यूबी पर सुरक्षा बाड़ फिक्सिंग का काम, बाहरी पार्सल शेड नई दिल्ली स्टेशन के अजमेरी गेट साइड पर 40 मीटर x 40 मीटर शेड का प्रावधान करना, **अनुमानित लागत (रूपए में) :** 126.75 लाख, **धरोहर राशि (रूपए में) :** 213750/-, **काम के पूरा होने की अवधि :** 8 माह, **निविदा की लागत नकद/डाक द्वारा (रूपए में) :** 5000/- / 5500/-, **क्र.सं. 2. कार्य का नाम :** सहायक मंडल अभियंता/नई दिल्ली के अनुभाग में वरिष्ठ खंड अभियंता/कार्य/नई दिल्ली के कार्य क्षेत्र में नई दिल्ली स्टेशन प्रतीक्षालय में एवं foot over bridge पर यात्री सुविधाओं के लिए कार्य करना एवं पीएफ नंबर पर 2–3/8–9 पर galvinum शीट के साथ एसी शीट के प्रतिस्थापन का कार्य, **अनुमानित लागत (रूपए में) :** 173.90 लाख, **धरोहर राशि (रूपए में) :** 230975/-, **काम के पूरा होने की अवधि :** 8 माह, **निविदा की लागत नकद/डाक द्वारा (रूपए में) :** 5000/- / 5500/-, **क्र.सं. 3. कार्य का नाम :** सहायक मंडल अभियंता/नई दिल्ली के अनुभाग में वरिष्ठ खंड अभियंता/कार्य/नई दिल्ली के कार्य क्षेत्र में नई दिल्ली स्टेशन एवं आनंद विहार टर्मिनल स्टेशन में प्रत्येक स्टेशन पर वर्षा जल संचयन प्रणाली एवं storm water drainage का प्रावधान करना। **अनुमानित लागत (रूपए में) :** 142.50 लाख, **धरोहर राशि (रूपए में) :** 221250/-, **काम के पूरा होने की अवधि :** 8 माह, **निविदा की लागत नकद/डाक द्वारा (रूपए में) :** 5000/- / 5500/-, **क्र.सं. 4. कार्य का नाम :** सहायक मंडल अभियंता/दिल्ली के अनुभाग में वरिष्ठ खंड अभियंता/कार्य/दिल्ली के कार्य क्षेत्र में दिल्ली मेन स्टेशन पर पीएफ नंबर 4–5 एवं तीन foot over bridge पर galvinum शीट के साथ एसी शीट के प्रतिस्थापन का कार्य एवं स्टेशन भवन पर texture पेंटिंग का कार्य करना एवं गेट की बनावट का सुधार कार्य करना। **अनुमानित लागत (रूपए में) :** 112.15 लाख, **धरोहर राशि (रूपए में) :** 231250/-, **काम के पूरा होने की अवधि :** 6 माह, **निविदा की लागत नकद/डाक द्वारा (रूपए में) :** 5000/- / 5500/-, **क्र.सं. 5. कार्य का नाम :** सहायक मंडल अभियंता/दिल्ली के तहत वरिष्ठ खंड अभियंता/पी. way/शकूरबस्ती के कार्य क्षेत्र में ट्रैक के रखरखाव के लिए पर PE:30.06.14 के लिए वार्षिक जोन कार्य, **अनुमानित लागत (रूपए में) :** 51.00 लाख, **धरोहर राशि (रूपए में) :** 102000/-, **काम के पूरा होने की अवधि :** 8 माह, **निविदा की लागत नकद/डाक द्वारा (रूपए में) :** 5000/- / 5500/-, **क्र.सं. 6. कार्य का नाम :** सहायक मंडल अभियंता/दिल्ली के तहत वरिष्ठ खंड अभियंता/पी. way/दिल्ली और शकूरबस्ती के कार्य क्षेत्र में ट्रकों के किराए पर लेना। **अनुमानित लागत (रूपए में) :** 23.25 लाख, **धरोहर राशि (रूपए में) :** 46500/-, **काम के पूरा होने की अवधि :** 12 माह, **निविदा की लागत नकद/डाक द्वारा (रूपए में) :** 2000/- / 2500/-, **क्र.सं. 7. कार्य का नाम :** सहायक मंडल अभियंता/नई दिल्ली के तहत वरिष्ठ खंड अभियंता/कार्य/नई दिल्ली कार्य क्षेत्र में नई दिल्ली स्थित अधिकारी विश्राम गृह की (2 वर्ष की अवधि के लिए) लिनेन की धुलाई का कार्य। **अनुमानित लागत (रूपए में) :** 3.41 लाख, **धरोहर राशि (रूपए में) :** 6820/-, **काम के पूरा होने की अवधि :** 24 माह, **निविदा की लागत नकद/डाक द्वारा (रूपए में) :** 1000/- / 1500/-, **समान प्रकृति कार्य की परिभाषा :–** 1. मद संख्या 1 से 4 As per clause no. 2.3.4 विशेष निविदा शर्त एवं निविदाकर्ताओं के लिए निर्देश अनुसार इस तरह के कार्य की परिभाषा, ''ट्रैक के काम के अलावा अन्य सिविल कार्य। 2. मद संख्या 5 As per clause no. 2.3.4 विशेष निविदा शर्त एवं निविदाकर्ताओं के लिए निर्देश अनुसार इस तरह के कार्य की परिभाषा, ''किसी भी मैनुअल या यंत्रीकृत ट्रैक सीटीआर /TRR TSR/Deep स्क्रीनिंग / Shallow स्क्रीनिंग / overhaluing/distressing/ ट्रैक को ऊपर उठाने का काम / rail end cropping / ट्रैक के पूर्व और पोस्ट कार्य/रोड स्क्रीनिंग मशीने tamping / मशीनें को विनियमित करने की तरह रखरखाव मशीनें के रूप में Tamping Machine Ballast Screening / regulating Machines TTR का कार्य। नोट :– 1. तकनीकी पात्रता और वित्तीय पात्रता मानदंड 50.00 लाख रूपए से अधिक लागत की निविदाओं के लिए लागू होता है। 2. निविदा दस्तावेज मंडल रेल प्रबंधक, उत्तर रेलवे, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली के कार्यालय से खरीदी जा सकती है और भी रेलवे N.Rly वेबसाइट **www.nr.indianrailways.gov.in** से दिनांक 25.07.2013 10 का 10.00 बजे से दिनांक 22.08.2013 का 15.00 बजे तक download. निविदा खोलने की तारीख से एक दिन पहले तक). 3. निविदा सूचना (एनआईटी) इंजीनियरिंग शाखा, डीआरएम कार्यालय, स्टेट एंट्री रोड़, नई दिल्ली के नोटिस बोर्ड पर भी देखा जा सकता है। **नं. 128–डब्ल्यू/280/एनआईटी–04/13–14/डब्ल्यु–III दिनांक 15.07.2013** 1596/2013

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

दिल्ली विकास प्राधिकरण

प्रेस निविदा सूचना सं. 06/एफओ/ईज़ेड/डीडीए/2013–14

दिल्ली विकास प्राधिकरण की ओर से निम्नलिखित डिविज़नों के कार्यकारी अभियंता निम्नलिखित कार्यों के लिए डीडीए, सीपीडब्ल्यूडी, एमईएस, बीएसएनएल और रेलवे के स्वीकृत और योग्यता प्राप्त ठेकेदारों से ऑनलाइन मद दर निविदाएँ आमंत्रित/पुनः आमंत्रित करते हैं। 40.00 लाख रुपये तक लागत के कार्यों के लिए केवल डीडीए के पंजीकृत और स्वीकृत ठेकेदार निविदा कर सकते हैं।

1. **डिविज़न का नाम:– पूर्वी डिविज़न सं. 3, डीडीए, पॉकेट–I के सामने, दिलशाद गार्डन, दिल्ली–110095**

i) **एनआईटी सं. 02/ईई/ईडी–3/डीडीए/2013–14.** कार्य का नाम: वज़ीराबाद में यमुना नदी किनारे सुर स्नान घाट की देखभाल। उपशीर्ष: सुर स्नान घाट की पार्किंग, प्लैटफॉर्म, पुरुषों और महिलाओं के कपड़े बदलने के कमरों का सुधार। अनुमानित लागत: 7,44,019 रुपये, अग्रिम जमा राशि: 14,880 रुपये, कार्य पूरा करने की अवधि: 2 महीने, निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय 31.07.2013, दोपहर 3.00 बजे तक है।

2. **डिविज़न का नाम:– पूर्वी डिविज़न सं. 5, डीडीए, पॉकेट–I के सामने, दिलशाद गार्डन, दिल्ली–110095.**

i) **एनआईटी सं. 07/ईई/ईडी–5/डीडीए/2013–14. (पुनः आमंत्रित)** कार्य का नाम: नज़ुल खाता–II (पूर्वी क्षेत्र) की विभिन्न परियोजनाओं की देखभाल। उपशीर्ष: पॉकेट ए, आईएफसी, गाज़ीपुर में खुले और ढके एस.डब्ल्यू. ड्रेन की मरम्मत और सफाई। अनुमानित लागत: 14,33,814 रुपये, अग्रिम जमा राशि: 28,676 रुपये, कार्य पूरा करने की अवधि: 2 महीने, निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय 31.07.2013, दोपहर 3.00 बजे तक है।

ii) **एनआईटी सं. 11/ईई/ईडी–5/डीडीए/2013–14.** (पुनः आमंत्रित) कार्य का नाम: आईएफसी, गाज़ीपुर की भूमि का विकास। उपशीर्ष: पॉकेट ए, आईएफसी, गाज़ीपुर में डीएएमबी दीवार के किनारे 45 मिमी. चौड़ी सड़क के डॉवेल युक्त सीसी पेवमेंट का निर्माण। अनुमानित लागत: 2,52,32,936 रुपये, अग्रिम जमा राशि: 5,04,659 रुपये, कार्य पूरा करने की अवधि: 3 महीने, निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय 12.08.2013, दोपहर 3.00 बजे तक है।

3. **डिविज़न का नाम: ईई/ईडी–12/डीडीए, गीता कॉलोनी, दिल्ली–110031**

i) **एनआईटी सं. 33/ईई/ईडी–12/डीडीए/13–14.** कार्य का नाम: नजुल खाता II (ईज़ेड) की विभिन्न परियोजनाओं की देखभाल। उपशीर्ष: पॉकेट सी, आईएफसी, गाज़ीपुर में हिंडन नहर के किनारे 35 मी. आर/डब्ल्यू रोड के किनारे पैदलपथ और नाले की मरम्मत। अनुमानित लागत: 5,76,876 रुपये, अग्रिम जमा राशि: 11,538 रुपये, कार्य पूरा करने की अवधि: 2 महीने, निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय 31.07.2013, दोपहर 3.00 बजे तक है।

ii) **एनआईटी सं. 36/ईई/ईडी–12/डीडीए/13–14.** कार्य का नाम: नजुल खाता II (ईज़ेड) की विभिन्न परियोजनाओं की देखभाल। उपशीर्ष: कोंडली घरोली कॉम्प्लेक्स में रेड फॉक्स होटल से पॉकेट सी, आईएफसी तक 24 मी. आर/डब्ल्यू रोड के बचे हिस्से की मरम्मत। अनुमानित लागत: 52,81,979 रुपये, अग्रिम जमा राशि: 1,05,640 रुपये, कार्य पूरा करने की अवधि: 2 महीने, निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय 12.08.2013, दोपहर 3.00 बजे तक है।

नोट: 1. निविदाकर्ता एक यूटीआर का इस्तेमाल केवल एक कार्य के लिए करेंगे। यदि अलग–अलग निविदाओं हेतु एक यूटीआर नंबर का उपयोग पाया गया तो उसके द्वारा जमा की गई सभी निविदाएँ अस्वीकार कर दी जाएँगी और उसे भविष्य में भी डीडीए में निविदा करने से प्रतिबंधित कर दिया जाएगा।
पत्र एवं योग्यता मानक: निविदा मूल्य के भुगतान का माध्यम, प्रॉसेसिंग शुल्क, अग्रिम जमा राशि और निविदा दस्तावेज़ के अन्य विवरण, नियम एवं शर्तों की जानकारी के लिए डीडीए की वेबसाइट: **www.tenderwizard.com/DDA** या **www.dda.org.in** देखें। ई–निविदा में किसी सहायता के लिए कृपया मेसर्स आईटीआई लिमिटेड से फोन नं. 011–49424365, 22023034, 9871317488, 9212520281, 9654516163, 9953229185, 9654701186, 9971662903 से संपर्क करें।

कृपया डीडीए की वेबसाइट www.dda.org.in देखें।